खेतड़ी पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र गोठड़ी के गुर्गों को दबोचा, हथियार जब्त

वीरेंद्र गोठड़ी हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी थाने का हिस्ट्रीशीटर है

पुलिस ने दो हिस्ट्रीशीटर समेत छह साथियों को गिरफ्तार किया।

खेतड़ी, (निसं)। करीब साढ़े आठ साल बाद एक बार फिर हरियाणा का हार्डकोर बदमाश और पड़ौसी हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी थाने का हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र गोठड़ी झुंझुनूं में गैंगवार करने वाला था, लेकिन झुंझुनूं पुलिस की प्रो पुलिसिंग ने वीरेंद्र गोठड़ी के प्लान को फेल कर दिया और उसके दो हिस्ट्रीशीटर समेत छह साथियों को गिरफ्तार कर और हथियारों को जब्त कर एक बड़ी कार्रवाई की है।

वीरेंद्र गोठड़ी हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिसने अब से करीब साढ़े आठ साल पहले 6 मई 2017 को अपने दुश्मन बदमाश मुकेश उर्फ मुखिया गुर्जर का मर्डर करवाने के लिए अपने गैंग के बदमाशों को झुंझुनूं जिले के सिंघाना थाना इलाके के डूमोली खुर्द गांव भेजा था, जहां पर भात के कार्यक्रम में फायरिंग करके ना केवल मुखिया गुर्जर को, बल्कि फायरिंग के दौरान चपेट में आने से इसी गांव के जयपाल की मौत हो गई थी। इस डबल मर्डर के मामले में पुलिस ने ना केवल शूटरों को गिरफ्तार किया था, बल्कि करीब दो साल के बाद वीरेंद्र गोठड़ी भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया था। अब इसी मामले में खेतड़ी कोर्ट में पेशी पर आए वीरेंद्र गोठड़ी तथा बहरोड़ सदर थाने का हिस्ट्रीशीटर देवीलाल पुत्र फूलाराम गुर्जर निवासी पहाड़ी व उनके साथियों ने फिर से एक प्लान तो बनाया, लेकिन प्रो पुलिसिंग से सब कुछ धरा का धरा रह गया।

खेतड़ी सीआई मोहनलाल ने बताया कि पुलिस के पास सूचना आई थी कि कोर्ट के पास कुछ हरियाणा नंबर की गाड़ियों में बदमाश हैं, जिनके पास हथियार भी है। पुलिस ने सूचना के आधार पर जब संदिग्धों की तलाश शुरू की तो खेतड़ी कस्बे के बस स्टैंड पर दो गाड़ियां दिखाई दी। पुलिस की गाड़ी को देखकर ये लोग इधर-उधर भागने लगे। जिस पर छह को दबोचा गया। वहीं तीन-चार अन्य भागने में सफल हो गए। पकड़े छह बदमाशों में से दो तो हिस्ट्रीशीटर निकले। पुलिस ने इस मामले में हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी थाने के हिस्ट्रीशीटी हनुमान प्रसाद उर्फ गब्बर पुत्र नेतराम गुर्जर को तथा कोटपुतली बहरोड़ जिले के बहरोड़ सदर थाने के हिस्ट्रीशीटर देवीलाल पुत्र फूलाराम गुर्जर निवासी पहाड़ी के साथ-साथ देवीलाल के ही गांव के जितेंद्र पुत्र अमरसिंह नाई, हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के सदर नारनौल थाना के टहला निवासी राजेश कुमार पुत्र महाराम गुर्जर, हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र गोठड़ी के गांव गोठड़ी के महेश कुमार पुत्र भूपसिंह गुर्जर तथा दीपक स्वामी पुत्र गुल्लाराम स्वामी को गिरफ्तार किया। इन दोनों ही गाड़ियों से पुलिस को एक 12 बोर की डबल बैरल गन, इसी गन के आठ जिंदा कारतूस तथा पिस्टल के सात जिंदा कारतूस मिले हैं। पुलिस की कार्रवाई से पहले ही वीरेंद्र गोठड़ी, विक्रम सिंह और एक संजय गनमैन नाम का मौके से भागने की जानकारी भी पुलिस को मिली है।

समर्थन मूल्य पर हो रही मूंगफली खरीद में गड़बड़ी का आरोप

- विधायक ने मंडी परिसर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी को फटकार लगाई

बीकानेर, (निसं)। यहां समर्थन मूल्य पर हो रही मूंगफली खरीद में गड़बड़ी पर विधायक भड़क गए। मंडी परिसर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी को फटकार लगाई। वसूली कर तुलाई करने पर ठेकेदार फर्म पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया।

विधायक जेठानन्द व्यास ने कहा कि आप सभी मिले हुए हो। रुपए देने वालों की तुलाई की जा रही है। पैसे नहीं नहीं देने वाले किसानों को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। आपके सामने किसान ने साढ़े आठ हजार रुपए दिए हैं। तुम क्या कर रहे हो। ठेकेदार के खिलाफ क्या कार्रवाई कर रहे हो। ठेका फर्म पर कार्रवाई नहीं करने पर विधायक ने धरने पर बैठने की चेतावनी दे डाली। किसानों ने तुलाई के बदले रुपए मांगने के आरोप लगाए धरने पर बैठने का समर्थन किया। करीब एक घंटे तक धरने पर बैठने के बाद विधायक मौके से चले गए। किसानों ने कहा कि धरने पर बैठने से तुलाई पूरी तरह ठप हो गई है।

जानकारी के अनुसार बीकानेर तहसील क्रय-विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड के माध्यम से ऊन मंडी में मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीद की जा रही है। खरीद में गड़बड़ी के आरोप पर विधायक जेठानन्द व्यास खरीद केंद्र पर पहुंचे और मुख्य कार्यकारी अधिकारी उमाकांत व्यास को अव्यवस्थाओं के बारे में बताया और कहा कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। तुलाई के नाम पर ठेका फर्म द्वारा किसानों से अवैध वसूली की जा रही है।

इस पर सीईओ ने कहा कि मूंगफली की खरीद टोकन प्रणाली के आधार पर की जा रही है और किसी प्रकार का अवैध लेनदेन नहीं हो रहा।

जानकारी के अनुसार बीकानेर और कोलायत क्षेत्र में मूंगफली खरीद की जिम्मेदारी एक ही अधिकारी के पास है। खरीदी गई मूंगफली को उठाने और वेयरहाउस तक पहुंचाने के लिए एक प्राइवेट फर्म को ठेका दिया गया है, जो किसानों की मूंगफली की तुलाई करने काम करती है और वेयरहाउस तक पहुंचाती है। इसी फर्म पर किसानों से रुपए वसूलने के आरोप लग रहे हैं। न सिर्फ बीकानेर और कोलायत, बल्कि श्रीडूंगरगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह के आरोप सामने आ चुके हैं। इससे पहले भी इन फर्मों को ठेका दिए जाने को लेकर काफी विवाद हुआ था। उस समय ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को ठेका देने के आरोप भी उठे थे। ठेका फर्म पर रुपए लेकर तुलाई करने का आरोप लगाते हुए किसानों ने प्रदर्शन किया और कार्रवाई की मांग की।

विवाद के दौरान मौके पर मौजूद किसानों में भी भारी नाराजगी देखने को मिली। विधायक जेठानन्द व्यास ने कई किसानों के वीडियो बयान भी मौके पर रिकॉर्ड करवाए। एक किसान ने आरोप लगाया कि राजू नाम के व्यक्ति ने उससे साढ़े आठ हजार रुपए लिए, इसके बावजूद उसकी मूंगफली की तुलाई नहीं करवाई गई। वहीं एक अन्य किसान ने बताया कि उससे 21 हजार रुपए की डिमांड की गई थी। किसानों के इन आरोपों के बाद खरीद केंद्र पर माहौल और ज्यादा तनावपूर्ण हो गया।

चोरी का माल खरीदने वाला सिरोही से गिरफ्तार

दोवडा पुलिस ने मंदिर से चोरी हुए कलश को खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया।

- लीलवासा गोपालजी मंदिर में चोरी के मामले में 8वां आरोपी पकड़ा, चोरी का माल बरामद

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना पुलिस ने लीलवासा गोपालजी मंदिर से चोरी हुए कलश को खरीदने वाले आठवें आरोपी को सिरोही से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है। इस मामले में पहले ही सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

दोवड़ा थानाधिकारी ने बताया कि लीलवासा गोपालजी मंदिर के पुजारी सुरेश पुत्र मोतीलाल सेवक ने 16 मई को मंदिर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि मंदिर का शिखर चोरी हो गया था। पुलिस ने इस मामले में पहले अनुराग उर्फ अरुण, शेखर, कल्पेश, पवन, प्रकाश, अब्दुल और रमेश को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि चोरी किया गया कलश सिरोही में बेचा गया था। इस सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम सिरोही पहुंची और चोरी का सामान खरीदने वाले आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने शनिश्चर मंदिर के सामने, न्यू नेहरू नगर, शिवगंज, जिला सिरोही निवासी चंपतराम पुत्र माणकचंद सोनी को गिरफ्तार किया। आरोपी चंपतराम ने चोरी का माल खरीदने की बात कबूल कर ली है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का कलश बरामद कर लिया है। फिलहाल, पुलिस गिरफ्तार आरोपी चंपतराम से मामले से जुड़े अन्य पहलुओं पर पूछताछ कर रही है।

उदयपुर में बलीचा कचरा यार्ड के पास रहने वाले लोग गंदगी से परेशान

दक्षिण विस्तार योजना पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर के लोगों ने मंत्री झाबर सिंह खर्रा को ज्ञापन सौंपा।

उदयपुर, (निसं)। यूआईटी अंतर्गत दक्षिण विस्तार योजना पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर क्षेत्र बलीचा उदयपुर के निवासियों ने नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के मंत्री झाबर सिंह खर्रा को गुरुवार को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी पीड़ा व्यक्त की है। मंत्री झाबर सिंह खर्रा अपने एक दिवसीय प्रवास पर उदयपुर आये थे।

ज्ञापन में मंत्री से निवेदन किया गया है कि बलीचा कचरा यार्ड जो लंबे समय से गंदगी का अड्डा बन गई है, यहां शहर का सारा कचरा डाला जाता है, जिसे सैकड़ो गायों द्वारा खाया जा रहा है, जिसमें मुख्य रूप से प्लास्टिक प्रमुख है। गंदगी इस तरह से पसरी हुई है कि इसके आसपास बने 1000 मुख्यमंत्री आवास एवं आईआईएम संस्थान कॉलोनी में रहने वाले लोगों का रहना दुश्वार हो गया है। ग्राम वासियों द्वारा इसे लेकर बार-बार आंदोलन कर निगम एवं जिला कलैक्टर तथा सरकार को जानकारी भी दी गई है।

लोगों ने बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण नई दिल्ली (एनजीटी) ने भी स्पष्ट आदेश जारी किए गए थे कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए इसके लिए प्रदूषण विभाग को भी पाबंद किया गया था। परंतु आज भी स्थितियां पहले से ज्यादा बदतर हो गई है। मरे हुए जानवर एवं गंदगी से आसपास प्रदूषण चरम सीमा पर है। लोगों का रहना दुश्वर हो गया है। करीब 4000 लोग तथा आईआईएम संस्थान इस प्रदूषण की लंबे समय से शिकार बन रही है। आमजन बीमारियों से ग्रसित हो रहा है। लोग उल्टी, दस्त, चर्म रोग, बुखार एवं मलेरिया तथा अन्य को बीमारियों से पीड़ित है। लंबे समय से वर्षा के कारण कचरे में आग नहीं लगाई जा रही थी। अब वर्षा बंद हो गई तो वर्तमान में कचरे में आग लगने से जहरीला धुआं चारों तरफ फैल रहा है। आमजन सांस भी नहीं ले पा रहा है तथा भारी पीड़ा से गुजर रहा है।

प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत व प्रदूषण मुक्त भारत बनाने को राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में देखा जा रहा है परंतु बलीचा के आसपास रहने वाले लोग इसे स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर कालीख पोत रहे हैं। चारों तरफ सडांध फैल रही है। कचरा यार्ड में बायो मैथेनेशन प्लांट की क्षमता 500 किलो की होने के बाद भी कचरा सेग्रीगेशन नहीं होने से मात्र 200 किलो गैस का ही उत्पादन हो रहा है, जबकि वास्तविकता में जिला एवं सूखा कचरा अलग-अलग संग्रहण किया जाता तो यह 500 किलो की क्षमता वाला प्लांट भी छोटा पड़ता। आज हम देख रहे हैं कि वर्षा का पानी इस गंदगी पर पड़ने के बाद धीरे-धीरे धरती में जा रहा है। लोगों ने यह भी बताया कि सरकार और शासन प्रशासन द्वारा अगर शीघ्र कार्यवाही नहीं की गई तो हमारे द्वारा धरना, प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल तक की जाएगी।

युवती को शादी का झांसा देकर यौन शोषण

जोधपुर, (कासं)। जिले में एक युवती को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा देकर करीब तीन वर्ष से देह और आर्थिक शोषण किया गया। पीड़िता कमिश्नरेट पूर्व के एक थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पीड़िता ने बताया कि करीब तीन वर्ष पूर्व उसकी एक युवक से जान पहचान हुई और बाद में दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। इस दौरान युवक ने उसको शादी का झांसा देकर शहर की होटल में मुलाकात करने बुलाने लगा। इसी दौरान कई बार युवक ने उसके साथ शारीरिक संबंध भी बनाए।

आरोपी उसको जोधपुर से बाहर भी पर्यटक स्थलों पर घुमाने ले गया और वहां पर भी गेस्ट हाउस और होटलों में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। करीब तीन वर्ष से चल रहे इस प्रेम प्रसंग के बावजूद जब भी वो आरोपी युवक को शादी के लिए कहती वो टालमटोल करने लगा। पीड़िता ने जब उससे ज्यादा जिद करनी शुरू की तो आरोपी युवक की हकीकत सामने आने लगी और वो उससे कन्नी काटने लगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

‘वेदों की ओर लौटो’ का महर्षि दयानंद सरस्वती का संदेश आज भी प्रासंगिक : राज्यपाल बागड़े

- अजमेर में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

अजमेर, (कास)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय का त्रयोदश दीक्षांत समारोह गुरुवार को विश्वविद्यालय के सत्यार्थ सभागार में आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागड़े ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं विश्वविद्यालय गीत के साथ हुआ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन में एक नए आरंभ का प्रतीक है। उपाधि प्राप्त करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए, इसके साथ बौद्धिक क्षमता, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध का विकास भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि यह समावर्तन संस्कार प्राचीन भारतीय परंपरा से जुड़ा है। इसमें गुरु शिष्यों को अंतिम उपदेश देते थे। सत्य के मार्ग पर चलने, धर्म का आचरण करने और शिक्षा पर अहंकार नहीं करने की सीख देते थे। राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागड़े ने विभिन्न संकायों के 54 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति पीएचडी की उपाधि प्रदान की। साथ ही वर्ष 2020 से 2025 के मध्य उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति पदक तथा वर्ष 2023, 2024 एवं 2025 में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 40 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने अजमेर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि अजमेर का प्राचीन नाम अजयमेरु रहा है। इसे चौहान शासक अजयराज ने बसाया था। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती को युगपुरुष बताते हुए कहा कि वेदों की ओर लौटो का उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने शिक्षा को व्यवहार से जोड़ने, चरित्र निर्माण, आत्मविकास, ब्रह्मचर्य, योग, प्राणायाम, वेद-उपनिषद तथा मातृभाषा और संस्कृत में अध्ययन की प्रेरणा दी।

राज्यपाल ने कहा कि उपाधि प्राप्त विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण में अपनी शिक्षा का उपयोग करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र एवं विश्वगुरु बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का आव्हान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसरों में शोध एवं प्रयोगशालाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बौद्धिक विकास का प्रमाण व्यक्ति के कार्य और व्यक्तित्व से परिलक्षित होता है। साथ ही विद्यार्थियों को खेलकूद के माध्यम से शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनने, नैतिकता अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण एवं उसके संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े ने बृहस्पति भवन के सामने स्थित दो उद्यानों का नामकरण एक भारत श्रेष्ठ भारत विहार एवं संस्कृति विहार करने की घोषणा की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह वह क्षण है जब विद्यार्थियों के सपनों को औपचारिक मान्यता मिलती है। शिक्षा ही मानव को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्यों और संवेदनशीलता को बनाए रखने की आवश्यकता बताई। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि यह समारोह भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा का गौरवशाली उदाहरण है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि उपाधि मंजिल नहीं बल्कि उड़ान की शुरुआत है। बदलते समय में समाज और राष्ट्र की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचार एवं अनुसंधान पर कार्य करना आज की आवश्यकता है।

डूंगरपुर में लाखों के जेवर और नगदी चोरी

- हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में जैन मंदिर के सामने एक सूने मकान में दिनदहाड़े चोरी की वारदात हुई। देर शाम को महिला वापस घर पहुंची तो घर में बिखरा सामान और टूटी अलमारी देखकर चौंक गई। घर से 55 हजार कैश और लाखों के जेवर चोरी हो गए। फिलहाल पुलिस चोरों की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र में हाउसिंग बोर्ड कालीन में जैन मंदिर के पास तुलसी देवी गोर के सूने मकान में चोरी की वारदात हुई। तुलसी देवी बुधवार दोपहर के समय घर का ताला कर काम से शहर में गई थी। देर शाम को वापस घर पहुंची तो घर के टूटे ताले, अंदर बिखरा पडा सामान देखकर चौंक गई। घटना के बाद कॉलोनी के लोग इकट्ठे हो गए। तुलसी देवी ने बताया कि चोरों ने घर की अलमारिया भी तोड़ दी। एक दिन पहले ही बैंक से 50 हजार रुपए काम से निकाले थे। इसके अलावा करीब 5 हजार रुपए पहले से रखे। चोर रुपए चुराकर ले गए। वहीं अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर भी चोरी हो गए। घटना की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस आसपास के क्षेत्र में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। वही चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

शिल्पग्राम उत्सव में सहरिया स्वांग डांस ने दर्शकों का मन मोहा

उदयपुर के शिल्पग्राम में चल रहे दस दिवसीय महोत्सव के तहत पांचवे दिन मुक्ताकाशी रंगमंच पर लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

उदयपुर, (निसं)। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आयोजित किए जा रहे दस दिवसीय शिल्पग्राम उत्सव के पांचवें दिन की शाम को कई प्रदेशों की प्रस्तुतियों से सजाया गया।

हर प्रस्तुति ने उत्सव की ‘लोक के रंग-लोक के संग’ थीम को साकार किया। इनमें गुजरात के गुजराती व अन्य गानों की धुन पर गरबा, जम्मू के पारंपरिक डोगरी लोक नृत्य जगरना को देख मंत्रमुग्ध हो गए। वहीं, राजस्थान के सहरिया आदिवासी संस्कृति को उकेरता सहरिया स्वांग डांस व सफेद आंगी गेर ने भी सभी का मन मोह लिया। गोवा के नदी पार कराने को नाविक से गुजारिश करती महिलाओं का देखनी और त्रिपुरा के सिर पर बोतल रख बेमिसाल बैलेंसिंग के लोक नृत्य होजागिरी और ओडिशा की जनजातीय संस्कृति को उकेरते संभलपुरी नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों ने खूब दाद दी। इनके साथ ही महाराष्ट्र के मल्लखंभ के कलाकारों के करतब देख रोमांचित हुए दर्शक हर करतब पर वाह-वाह कर उठे, तो हरियाणा की प्रसिद्ध घूमर और राजस्थान के लोक देवता गोगाजी को समर्पित डेरू नृत्य पर को भी दर्शकों ने बहुत सराहा। कार्यक्रम में राजस्थान के बीन-जोगी, पश्चिम बंगाल के मार्शल आर्ट के एक्शन के सम्मिश्रण वाले नटुआ लोक नृत्य, छत्तीसगढ़ के पंडवानी ज्ञान (पांडवों की कथा) के साथ ही मार्शल आर्ट से लबरेज फोक प्रस्तुति थांगटा-स्टिक की पेशकश ने भी दर्शकों को रिझाया व रोमांचित किया।

बंजारा मंच पर चल रहे ‘हिवड़ा री हूक’ कार्यक्रम में दर्शकों ने खुद गाने, कविता आदि पेश कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं को-ऑर्डिनेटर सौरभ भट्ट की प्रश्नोत्तरी में सभी आयुवर्ग के दर्शकों ने खूब रुचि दिखाई।

बंजारा मंच पर चल रहे ‘हिवड़ा री हूक’ कार्यक्रम में दर्शकों ने खुद गाने, कविता आदि पेश कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं को-ऑर्डिनेटर सौरभ भट्ट की प्रश्नोत्तरी में सभी आयुवर्ग के दर्शकों ने खूब रुचि दिखाई। क्विज में सही उत्तर देने वालों को हाथों-हाथ उपहार भी दिए जा रहे हैं। शिल्पग्राम में विभिन्न थड़ों पर सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक अलग-अलग प्रस्तुतियां मेलार्थियों का भरपूर मनोरंजन कर रही हैं।

श्रीडूंगरगढ़ के मोमासर गांव में धर्मांतरण का आरोप, 35 जने हिरासत में

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ इलाके के सबसे बड़े गांव मोमासर में गुरुवार को क्रिसमस के दिन कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश का मामला सामने आया है।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की शिकायत पर पुलिस ने एक घर से 35 लोगों को हिरासत में लिया है। उनका कहना है कि उन्होंने धर्म परिवर्तन से जुड़ी गतिविधियों की शिकायत कई बार की मगर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी। इन सभी को श्रीडूंगरगढ़ थाने ले जाया गया है, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि बीमारी का इलाज करने के नाम पर क्रिश्चियन धर्म में कर्न्वट करने के लिए लोगों को इकट्ठा किया गया था।

विश्व हिंदू परिषद के श्रीडूंगरगढ़ प्रशासन प्रमुख श्याम जोशी ने बताया कि विहिप की टीम सुबह करीब छह बजे ही मोमासर गांव पहुंच गई थी। संगठन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि गांव के एक घर में लोगों को बीमारी ठीक करने के बहाने बुलाया जा रहा है। आरोप है कि इलाज का दावा कर लोगों को इकट्ठा किया गया और उन पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया जा रहा था। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का कहना है कि वे लंबे समय से मोमासर क्षेत्र में धर्म परिवर्तन से जुड़ी गतिविधियों की शिकायत करते आ रहे थे, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई थी। संगठनों का आरोप है कि कई परिवारों को प्रभावित कर धर्म बदलने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। जिन लोगों के धर्म परिवर्तन की आशंका जताई जा रही थी, उनमें कई महिलाएं शामिल थी।

मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घर में मौजूद लोगों को हिरासत में लेकर श्रीडूंगरगढ़ थाने ले आई। कुल 35 लोगों को थाने लाया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि लोगों को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जा रहा था या किसी अन्य गतिविधि के तहत उन्हें एकत्र किया गया था। पुलिस के अनुसार सभी 35 लोगों से अलग-अलग स्तर पर पूछताछ की जा रही है। जांच का फोकस इस बात पर है कि कार्यक्रम का उद्देश्य क्या था और इसमें शामिल लोगों की भूमिका क्या रही। फिलहाल किसी भी स्तर पर पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

श्याम जोशी ने बताया कि थाने लाए गए 35 लोगों में से 3-4 स्थानीय मोमासर के निवासी हैं, जबकि बाकी लोग बाहर से आए बताए जा रहे हैं। इनमें कुछ परिवार चूरू जिले के भी बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि गुरुवार सुबह करीब 6 बजे एक कार्यक्रम होना था, लेकिन पुलिस के पहुंचने के कारण वह नहीं हो सका। पूरे मामले की छानबीन जारी है। श्याम जोशी के अनुसार फिलहाल पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होने के बाद ही एफआईआर दर्ज कराने का फैसला किया जाएगा। थानाधिकारी जितेंद्र स्वामी ने बताया कि अब तक किसी ने मामला दर्ज नहीं करवाया है। फिलहाल सभी से पूछताछ की जा रही है। अगर कोई भी व्यक्ति लिखित में शिकायत देगा तभी पुलिस आगे कार्रवाई कर सकेगी।